ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2024 में संबोधन*

श्री शक्तिकान्त दास

माननीय प्रधानमंत्री महोदय, श्री कृष्ण गोपालकृष्णन, उद्योग जगत के अग्रणी सदस्य, जो प्रतिष्ठित प्रतिभागीगण, मीडिया के सदस्यगण, और देवियो और सज्जनो।

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) एक प्रमुख कार्यक्रम के रूप में उभरा है, जो भारतीय फिनटेक क्षेत्र में नवोन्मेषों, प्रौद्योगिकीय रूपांतरण और सहयोगात्मक भावना को प्रदर्शित करता है। कोविड-19 महामारी के बीच, वर्ष 2020 में लगभग 12,000 प्रतिभागियों के साथ वर्चुअल मोड में शुरू हुए जीएफएफ में, 2024 की स्थिति में अब तक 80,000 प्रतिभागी शामिल हो चुके हैं। यह न केवल इस आयोजन के बढ़ते दर्जे को दर्शाता है, बल्कि प्रौद्योगिकी-संचालित वित्तीय नवाचार में भारत की बढ़ती प्रधानता को भी दर्शाता है। जीएफएफ 2024 में माननीय प्रधानमंत्री की उपस्थिति हम सभी को एक फिनटेक पारितंत्र का निर्माण करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए प्रेरित करती है, एक ऐसा पारितंत्र जो वास्तव में भविष्य के लिए तैयार हो।

इस प्रयास में, हमारी प्राथमिकता एक ऐसा परिवेश बनाने की होनी चाहिए जहाँ वित्तीय सेवाएँ हमारे 1.4 अरब लोगों के जीवन में सहज रूप से एकीकृत हों। भारत अब एक परिवर्तन के मुहाने पर खड़ा है, जहाँ प्रत्येक नागरिक की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी एक महत्वपूर्ण साधन बनेगी।

फिनटेक पारितंत्र मोबाइल बैंकिंग से लेकर डिजिटल भुगतान, एआई-आधारित उधार देना और ब्लॉकचेन नवोन्मेषों तक, हमारी उभरती अर्थव्यवस्था की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगातार विकसित हो रहा है। डिजिटल प्रौद्योगिकियां देश भर में वित्तीय समावेशन का विस्तार करने, दक्षता में सुधार लाने और तत्काल सेवाओं को सक्षम बनाने में सहायक रही हैं। डिजिटल भुगतान में आज भारत वैश्विक स्तर पर अगुवाई कर रहा है, यह उपलब्धि नवोन्मेष और प्रौद्योगिकीय उन्नति के साथ सक्रिय नीति निर्माण के संयोजन से हासिल की गई है।

नीति निर्माताओं, विनियामकों और नवप्रवर्तकों के बीच सहयोग भारत की फिनटेक यात्रा का निर्णायक तत्व है। हमारे फिनटेक क्षेत्र में सफलता की कहानियाँ यथा आधार, यूपीआई और डिजीलॉकर - ऐसे ही सहयोगात्मक प्रयासों का परिणाम हैं।

एकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क, यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई), ओपन क्रेडिट इनेबलमेंट नेटवर्क (ओसीईएन) और कई अन्य पहलों के माध्यम से क्रेडिट तक पहुंच की नई परिभाषा गढ़े जाने की उम्मीद है, विशेषकर लघु व्यवसायों और व्यक्तियों के लिए। रिज़र्व बैंक के विनियामक ढांचों ने नए और नवोन्मेषी कारोबारों को व्यवस्थित तरीके से बढ़ने में मदद की है। ये विनियामकीय पहलें, विवेकपूर्ण तरीके से नवोन्मेष का समर्थन करने की हमारी प्रतिबद्धता दर्शाती है।

हमारा दृष्टिकोण सहयोगात्मक है। विशेषज्ञों और हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद अंततः विनियम जारी किए जाते हैं। जैसे कि मैंने दो दिन पहले इस मंच पर बात कही थी, पिछले एक वर्ष में, रिज़र्व बैंक के विभिन्न विभागों के अधिकारी और दल द्विपक्षीय रूप से लगभग 750 विचार-विमर्श सत्रों में शामिल हुए हैं और फिनटेक भागीदारों के साथ लगभग 50 संरचित बैठकें की हैं।

जैसे-जैसे हम वर्ष 2047 में भारत@100 की ओर आगे बढ़ते हैं, मैं इस जीएफएफ के प्रत्येक प्रतिभागी और अन्य लोग जो इसमें भाग नहीं ले सके, उनसे आग्रह करता हूं कि वे सपने देखना, नवोन्मेष करना और उम्मीद से अधिक कड़ी मेहनत करना जारी रखें।

धन्यवाद।

* दिनांक 30 अगस्त 2024 को मुंबई में भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर श्री शक्तिकान्त दास द्वारा ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2024 में संबोधन।